(घ) और (ङ) वसूल उपकर में से चाय बोर्ड को किए गए भुगतान का प्रयोग अन्य बातों के साथ-साथ, अनुसंधान तथा विकास क्रिया-कलापों के लिए भी किया जाता है जिनमें निम्नलिखित बातें शामिल हैं :—

1. चाय के छोटे उपजकर्ताओं को चाय की खेती के आधुनिक पहलुओं का प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना;

2. कृषि तरीके अपनाने के प्रभाव को दर्शाने के लिए प्रदर्शन स्थलों की स्थापना;

3. अधिक उपज देने वाली किस्मों की रोपण सामग्री की आपूर्ति के लिए पौधशालाओं की स्थापना;

4. मुफ्त सलाह सेवाएं प्रदान करना;

5. अधिकतम उपज प्राप्त करने, नीलामी में अधिकतम कीमत प्राप्त करने, आदि के लिए पुरस्कार देना;

6. बड़े तथा छोटे दोनों चाय बागानों के लिए अनुसंधान तथा प्रसार सहायता।

(च) चाय बोर्ड के वित्तीयन अर्थात् उसके लिए धनराशि की व्यवस्था का उपकर ही मुख्य स्रोत है। चाय बोर्ड के कार्य हैं श्रम कल्याण उपायों के अलावा, उत्पादन, अनुसंधान तथा विकास कार्य और निर्यात संवर्धन के संबंध में चाय उद्योग के विकास को बढ़ावा देना है।

(छ) उपकर के रूप में वसूल धनराशि चाय उद्योग के समग्र विकास में सहायक सिद्ध हुई है और यह बात अनुसंधान और विकास योजनाओं के जरिए उत्पादन बढ़ाने और विदेशी बाजारों में भारतीय चाय के संवर्धन से पता चलती है।

Removal of restriction on imports

25. SHRI SUNIL BASU RAY : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the removal of severe restrictions on imports this year specially from non-essential items, has resulted in a significant trade gap which may cross rupees ten thousand Crores; and

(b) if so, what are the circumstances under which restrictions were removed;

(c) whether IMF aids have any influence in removing the import restrictions ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : (a) No Sir. Import of Non-essential items generally categorised as consumer goods, continue to be in the Negative List of Imports and therefore under restraint.

(b) and (c) Do not arise.

Non-Achievement of export target

26. SHRI VIREN J. SHAH : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that exports during the period for April, 1992 to February, 1993 continue to remain far below the original export target of 12.8 per cent in dollar terms;

(b) whether exports to general currency areas have also declined during this period;

(c) if so, what are the facts in this regard and also the reasons therefor;

(d) what is the manner in which Government propose to achieve the growth target in exports during this year;

(e) whether the imports have also declined in February to 13.14 per cent as against 14.6 per cent during this period; and

(f) if so, what are the facts in this regard and the reasons for trade deficit as compared to the same period last year ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : (a) In US dollar terms export during April-February 1992-93 have registered a growth of 2.81% over the corresponding period of 1991-92.

(b) and (c) Exports to general currency area during April-February 1992-93 have registered an increase of 10.48% over April-February 1991-92 which is higher than the growth of 6.86% registered in April-February 1991-92 over the corresponding period of 1990-91.

(d) In order to achieve the 8th Plan export target including that for 1993-94, the Government have taken major steps for liberalisation of trade which includes provisions of export linked imports, reduction of import licensing and strengthening export incentives and removal of procedural irritants through simplification of policy and procedures. In 1993-94 budget, the system of market determined exchange rate has been introduced and customs and excise duties on many raw material and capital goods have been reduced. The interest rate on rupee export credit has been reduced by one percentage point i.e. from 14% to 13% and the interest tax on export credit from banks has been waived. Banks have been asked to ensure that exports credit amounts to at least 10% of the total advances. Besides, 34 commodities have been identified as 'Extreme Focus' sector aimed at value or volume increase of 30% every year, in exports.

(e) Imports during April-February 1992-93 have registered an increase of 13.14% in dollar terms as compared to April-February 1991-92. The increase in April-January 1992-93 as compared to April-January 1991-92 was of the order of 14.61% in dollar terms.

(f) Trade deficit during April-February 1992-93 is estimated US $ 3504.42 million. This is higher than the trade deficit of US $ 1637.63 million during April-February 1991-92 but lower than trade deficit of US $ 5872.67 million during April-February 1990-91. During 1991-92 the trade deficit was low due to severe import compression. The imports are of a more normal level during the current year.

आयात और निर्यात में वृद्धि

27. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री वीरेन जे. शाह :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 1992-93 के दौरान आयात और निर्यात में क्रमशः 3% तथा 14% की वृद्धि हुई है;

(ख) यदि नहीं, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह भी सच है कि उस वर्ष के लिए निर्यात का लक्ष्य 13 प्रतिशत निर्धारित किया गया था;

(घ) यदि हां, तो क्या यह सच है कि आयातों में वृद्धि और निर्यातों में कमी होने के कारण विदेशी व्यापार में घाटे का अंतर गत वर्ष की तुलना में और अधिक हो गया है;

(ङ) यदि हां, तो मार्च, 1993 में घाटे की राशि कितनी आंकी गई थी; और

(च) क्या सरकार ने वर्ष 1992-93 के दौरान देश में कुल आयात की वस्तुओं में तैयारशुदा वस्तुओं और कच्चे माल के मूल्य का अनुमान लगाया है?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) और (ख) अप्रैल--फरवरी, 1992-93 वह नवीनतम अवधि है जिसके निर्यात तथा आयात के आंकड़े उपलब्ध हैं और वर्ष 1991-92 की उसी अवधि की तुलना में इस नवीनतम अवधि में अमरीकी डालर के रूप में निर्यात और आयात में 2.81% तथा 13.14% की वृद्धि हुई है ।

(ग) वर्ष 1992-93 के कुल निर्यात लक्ष्य का उद्देश्य, पिछले वर्ष के निष्पादन की तुलना में अमरीकी डालर के रूप में 12.8% की वृद्धि करना है ।